रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार, 4 मई, 2026

वर्ष 02 | अंक 110 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

इकोनॉमिक कॉरिडोर का भूमिपूजन

1 लाख बेरोजगारों को मिलेगा रोजगार

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज इंदौर के नैनोद गांव में 2360 करोड़ रुपये के इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के प्रथम चरण का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम में जमीन का 4 गुना मुआवजा देने के लिए किसानों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्वागत किया। किसानों ने उन्हें हल सौंपा और मुकुट पहनाया। इस मौके पर किसानों ने राज्य सरकार को भूमि अधिग्रहण का सहमति पत्र भी सौंपा। इस कॉरिडोर के माध्यम से सरकार ने किसानों को उनकी भूमि का 60 फीसदी विकसित भूखंड लौटाने का ऐतिहासिक निर्णय भी किया है। यानी, सरकार ने विकास में किसानों को पार्टनर बनाया है। कार्यक्रम में इकोनॉमिक कॉरिडोर पर आधारित शॉर्ट फिल्म भी दिखाई गई।

इस कॉरिडोर के माध्यम से दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर जुड़ेगा – मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इंदौर-उज्जैन-धार-देवास-शाजापुर-रतलाम, ये सब मिलाकर मेट्रोपॉलिटन सिटी बन रही है। ये सड़क केवल पीथमपुर से इंदौर नहीं है, यह उज्जैन से भी आगे है। यह 8 लेन सुपर एक्सप्रेस वे है। इसके माध्यम से दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर जुड़ेगा। आज अगर राष्ट्रीय राजमार्गों का आंकड़ा देखें, तो एक लाख 60 हजार किमी से ज्यादा सड़कें हैं। इस इकोनॉमिक कॉरिडोर से एग्री प्रोसेसिंग, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग, वेयरहाउसिंग सेक्टर को लाभ मिलेगा। इस कॉरिडोर से इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, उद्योग को गति मिलेगी। इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में भारत स्वर्णिम युग में पहुंच रहा है। हर सेक्टर में बहुत काम हो रहा है। अब हम पूरे साल कश्मीर-श्रीनगर जा सकते हैं। देश में हो रहे बदलाव की तरह ही मध्यप्रदेश में चमचमाती सड़कें बनी हैं। इस कॉरिडोर के भूमि-पूजन के बाद अब इंदौर-उज्जैन 4-लेन सड़क का भूमि-पूजन होना है। इंदौर-उज्जैन का सदियों पुराना पारंपरिक रास्ता फिर विकास के नए द्वार खोलेगा।

सीएम ने कांग्रेस पर उठाए सवाल – सीएम डॉ. यादव ने कहा कि मैं कांग्रेसियों से पूछना चाहता हूं कि उनकी सरकार के वक्त क्या हुआ था। आज किसानों को दिन में बिजली मिल रही है, जबकि कांग्रेस के समय रात को भी बिजली का ठिकाना नहीं था। किसान डीजल के लिए लाइनों में लगकर परेशान होते थे। बिजली का ठिकाना ही नहीं था। सिंचाई का रकबा भी कितना छोटा था। 55 साल उनकी सरकार रही। 1956 में मध्यप्रदेश बना, लेकिन 2002-03 तक केवल साढ़े सात लाख हेक्टेयर में सिंचाई होती थी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने ढाई साल में 10 लाख हेक्टेयर से ज्यादा रकबा कर दिया।

बुंदेलखंड से लेकर मालवा तक सिंचाई की व्यवस्था कर रही सरकार – सीएम डॉ. यादव ने कहा कि नदी जोड़ो परियोजना से बुंदेलखंड से लेकर मालवा तक सिंचाई के लिए व्यवस्था हो जाएगी। इतना ही नहीं, अब तो चीता भी मध्यप्रदेश की धरती पर उछल-कूद करता दिखाई दे रहा है। हमारी सरकार सांदीपनि स्कूल बना रही है। इस तरह के स्कूल पूरे देश में नहीं हैं। आज 48 नए

इंडस्ट्रियल पार्क स्थापित हो चुके हैं। हमने 9 लाख करोड़ का निवेश जमीन पर उतारा है। पूरे देश में मध्यप्रदेश दूसरे नंबर का राज्य है, जहां तेज गति से उद्योग स्थापित हो रहे हैं। सीएम ने कहा पिछली साल 75 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा था, इस बार 100 लाख मीट्रिक टन खरीद रहे हैं। अगर किसान तीसरी फसल उड़द की लगाएगा तो उसे 600 रुपये बोनस भी मिलेगा। सीएम ने कहा कि इस बार सिंहस्थ-2028 में सारे रिकॉर्ड टूटेंगे। मालवा किसानों को मालामाल करने वाले मालवा है। इस इकॉनोमिक कॉरिडोर से भी नया रिकॉर्ड बनेगा।

- **किसानों को 60 फीसदी का भागीदार बनाया** – कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार किसानों को विकास में पार्टनर बना रही है। पूरे देश में किसी ने किसानों को 60 फीसदी का भागीदार नहीं बनाया। सीएम डॉ. यादव ने कहा कि हम वो सभी योजनाएं लागू कर रहे हैं, जिसकी वजह से किसान-महिला-युवा-गरीब सहित सब वर्गों का कल्याण होगा। इस इकोनॉमिक कॉरिडोर के माध्यम से हम 60 प्रतिशत भूमि किसानों को दे रहे हैं।

विजयवर्गीय बोले-पहली बार किसानों ने खुद दी अपनी जमीनें – कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि यह पहली योजना है, जिसमें किसान खुद अपनी जमीन देने को तैयार थे। यह देश की सर्वश्रेष्ठ योजना होगी। यह जीडीपी बढ़ाने वाला ग्रोथ सेंटर है। इस योजना से सारे किसानों को करोड़पति बन गए हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना से लाखों युवाओं को रोजगार मिलेगा। यहां ग्रीन इंडस्ट्री विकसित होगी। यह कॉरिडोर एक तरफ गुजरात, तो दूसरी तरफ मुंबई से मिल रहा है। इसलिए इसका बहुत महत्व है। मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि यह कॉरिडोर विकास का संकल्प है। यह प्रगति का विश्वास है। यह उन्नति का संदेश है। उद्योग की प्रगति होगी, तो रोजगार आएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई उड़ान भर रहा है।

भूमिपूजन से पहले मुख्य गेट गिरने से मची अफरातफरी

इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के भूमिपूजन कार्यक्रम से ठीक पहले एक बड़ा हादसा टल गया। कार्यक्रम स्थल पर लगाया गया मुख्य गेट अचानक गिर गया, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई। हालांकि समय रहते स्थिति संभाल ली गई और कोई जनहानि नहीं हुई। यह घटना मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने से पहले हुई। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए क्रेन की मदद से गेट को दोबारा खड़ा किया। घटना के कुछ वीडियो भी सामने आए हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

ये हैं परियोजना की प्रमुख विशेषताएं

1. परियोजना के अंतर्गत सुपर कॉरिडोर से पीथमपुर निवेश क्षेत्र तक लगभग 20.28 किलोमीटर लंबाई का मार्ग विकसित किया जा रहा है।
2. लगभग 1316 हेक्टेयर क्षेत्र में नियोजित विकास का प्रावधान किया गया है, जिसके लिए कुल 2360 करोड़ रु. की लागत निर्धारित की गई है।
3. अधोसंरचना के तहत 75 मीटर चौड़ी मुख्य सड़क तथा उसके दोनों ओर विकसित होने वाला बफर जोन इस कॉरिडोर को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विस्तार योग्य बनाएगा।
4. यह कॉरिडोर राष्ट्रीय राजमार्ग-47 और राष्ट्रीय राजमार्ग-52 के बीच प्रभावी कनेक्टिविटी स्थापित करते हुए औद्योगिक परिवहन को अधिक सुगम और समयबद्ध बनाएगा।
5. यह परियोजना इन्दौर क्षेत्र में संतुलित शहरीकरण और अधोसंरचना आधारित विकास को नई दिशा प्रदान करेगी।

किसके सिर सजेगा ताज, किसकी होगी हार, चुनावी फैसला आज

पांच राज्यों में आएगा जनता का निर्णय,सुबह 8 बजे से गिनती

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम, केरलम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजे कल 4 मई को आएंगे, जिन पर सभी की नजरें टिकी हैं। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक घमासान देखने को मिला, जहां टीएमसी और बीजेपी के बीच कड़ा मुकाबला माना जा रहा है। वहीं असम में बीजेपी सत्ता बचाने की कोशिश में है, जबकि कांग्रेस गठबंधन चुनौती दे रहा है। तमिलनाडु में मुकाबला डीएमके और एआईएडीएमके के बीच है, जबकि केरल में एलडीएफ और यूडीएफ आमने-सामने हैं। पुडुचेरी में भी

मुकाबला दिलचस्प है। अंतिम तस्वीर कल 4 मई को ही साफ होगी। चुनाव आयोग ने मतगणना की तैयारियां पूरी कर ली हैं। नतीजे सुबह 8 बजे से आएंगे। असम, केरलम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ।

बंगाल में मतगणना से पहले बीजेपी का खास प्लान ऐक्टिव

सभी उम्मीदवार पहुंचे मंदिर और की पूजा-अर्चना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने अपने सभी विधानसभा उम्मीदवारों के लिए खास घोषणा की थी।

- **बीजेपी की महिलाएं स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर धरना प्रदर्शन करती दिखीं**

उसी के अनुसार सभी रविवार को सारे कैंडिडेट्स अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों के मंदिरों में जाकर पूजा-अर्चना की। साथ ही, सभी विधानसभा क्षेत्रों में महिलाएं स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर धरना प्रदर्शन करती नजर आईं। पश्चिम बंगाल विधान सभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती कल 4 मई को होनी है। इस बीच, पश्चिम बंगाल में मतगणना के लिए केंद्र सरकार के कर्मचारियों की तैनाती को लेकर निर्वाचन आयोग के सर्कुलर पर सुप्रीम कोर्ट ने कुछ दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

मतगणना में केंद्रीय कर्मचारियों की तैनाती पर हंगामा

भाजपा नेता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, सुप्रीम कोर्ट ने एक और कानूनी झटका देते हुए हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस ने मतगणना पर्यवेक्षक की जिम्मेदारियों से राज्य सरकार के कर्मियों को बाहर रखे जाने को चुनौती देते हुए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था और तत्काल सुनवाई की मांग की थी। इस याचिका पर सुनवाई से इनकार एक स्पष्ट संदेश है कि मतगणना प्रक्रिया की निष्पक्षता को प्रभावित करने या उस पर संदेह पैदा करने के प्रयासों को किसी भी सूरत में वैधता नहीं मिलेगी।

बढ़ती गर्मी का प्रकोप

समाजसेवी पटेल और परमालिया ने हेलमेट और ट्रैफिक सिग्नल नियमों में छूट की उठाई मांग

इंदौर। देशभर में सूर्यदेव के कड़े तेवरों ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। इसी बीच, अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सचिव व समाजसेवी सत्यनारायण पटेल और समाजसेवी मदन परमालिया ने आम जनता को भीषण तपिश से बचाने के लिए प्रशासन के सामने एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखा है।

ये हैं प्रमुख मांगें

हेलमेट और रेड लाइट से मिले जनता को राहत दोनों समाजसेवियों ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा है कि 40-45 डिग्री के तापमान में दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट पहनना शारीरिक रूप से कष्टदायक हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से यह अपील की है कि।

हेलमेट में अस्थायी छूट

केवल गर्मी के मौसम को देखते हुए आम जनता को हेलमेट पहनने से राहत दी जाए, ताकि सिर और चेहरे पर सीधी गर्मी और पसीने से होने वाली परेशानियों को कम किया जा सके।

ट्रैफिक सिग्नल का समयःचौराहों पर लाल बत्ती (Red Light) का समय कम किया जाए या दोपहर के समय सिग्नल से राहत दी जाए।

गुजरात मॉडल का दिया हवालाः

उन्होंने तर्क दिया कि गुजरात के कुछ शहरों में गर्मी के चलते दोपहर में ट्रैफिक सिग्नल बंद रखने या उनका समय घटाने की पहल की गई है, जिससे लोगों को तपती सड़क पर खड़ा न होना पड़े, उन्होंने कहा "हमारा उद्देश्य नियमों का उल्लंघन करना नहीं, बल्कि इस 'चिल्लाती गर्मी' में नागरिकों को लू और डिहाइड्रेशन से बचाना है। प्रशासन को मानवीय आधार पर यह कदम उठाना चाहिए।" बढ़ते पारे को देखते हुए अलग-अलग राज्य सरकार और प्रशासन अपने स्तर पर जनता को राहत पहुँचाने में जुटे हैंः ओडिशा-दोपहर 11 बजे से 3 बजे तक सार्वजनिक परिवहन की बसों के संचालन पर रोक।

गुजरात-अहमदाबाद जैसे शहरों में दोपहर के वक्त ट्रैफिक सिग्नल का समय कम किया गया है ताकि चालकों को धूप में न रुकना पड़े। दिल्ली-सार्वजनिक स्थानों और बस स्टॉप पर 'मिस्ट कूलिंग सिस्टम' (फव्वारे) और जल सेवा की व्यवस्था। मध्य प्रदेश-कई जिलों में मनरेगा कार्य का समय सुबह 6 बजे से 11 बजे तक किया गया है और पार्कों में पक्षियों व जानवरों के लिए पानी के इंतजाम बढ़ाए गए हैं। उत्तर प्रदेश-नगर निगमों द्वारा मुख्य चौराहों पर 'ग्रीन नेट' (हरी जाली) लगाई जा रही है ताकि सिग्नल पर रुकने वालों को छाया मिल सके।

देवास में प्रवीण श्रीवास्तव स्मृति अलंकरण सम्मान समारोह संपन्न

खुशबू श्रीवास्तव

देवास। लोक संस्कृति, लोक साहित्य, लोक भाषा एवं सामाजिक क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले व्यक्तित्वों के सम्मान हेतु जन चेतना मंच द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला "प्रवीण श्रीवास्तव स्मृति अलंकरण सम्मान समारोह" इस वर्ष भी गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह आयोजन स्वर्गीय प्रवीण श्रीवास्तव के पुण्य स्मरण पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व महापौर रेखा वर्मा रहीं। वहीं वरिष्ठ पत्रकार एवं अधिवक्ता राजेश मालवीय, संस्था संरक्षक आभा निगम एवं पार्षद आलोक साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। जन चेतना मंच की संस्थापक श्रीमती तश्मि प्रवीण श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में बताया कि सम्मानित किए गए सभी व्यक्तित्व अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दे रहे हैं और समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मुख्य अतिथि रेखा वर्मा ने कहा कि स्व. प्रवीण श्रीवास्तव का सामाजिक जीवन में योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने अपने जीवन में सेवा को सर्वोपरि रखा और विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रहकर समाज को दिशा दी।

विशेष अतिथि राजेश मालवीय ने कहा कि समाज सेवा में समर्पण की भावना अत्यंत आवश्यक है, जिससे समाज का वास्तविक उत्थान संभव होता है। पार्षद आलोक साहू ने कहा कि प्रवीण श्रीवास्तव हमेशा अपने कार्यों को निष्ठा और लगन से करते थे, आज के युवाओं को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम में स्वागत भाषण अजय श्रीवास्तव द्वारा दिया गया। समारोह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया, जिनमें शासकीय अधिकारी संजीव सक्सेना, मनीष खरे, पत्रकारिता क्षेत्र से राजेश मालवीय, स्वास्थ्य विभाग से अंजू शर्मा, खेल जगत से निपुण सांगते, बसेरा आश्रम के संचालक दिनेश चौधरी सहित अन्य समाजसेवियों को अलंकृत किया गया।

विशेष योगदान के लिए रेखा वर्मा का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संयोजन आदित्य श्रीवास्तव एवं दीपक श्रीवास्तव ने किया, जबकि संचालन श्रीमती आभा निगम ने किया। इस अवसर पर राजेश निगम, समाजसेवी ममता श्रीवास्तव, कायस्थ विकास परिषद महिला अध्यक्ष मंजू निगम, शिवानी श्रीवास्तव, कर्णिका श्रीवास्तव एवं उर्वशी श्रीवास्तव सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे। अंत में आभार प्रदर्शन शीतल निगम द्वारा किया गया।

सुने घर में चोरी लाखों के जेवरात लेकर चोर हुए फरार

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल शहर में चोरों के हौसले काफी बुलंद हैं ताजा मामले में कोतवाली थाना क्षेत्र के निगम कॉलोनी में सूने घर को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों ने लाखों रुपए के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। घटना उस समय हुई जब घर के सदस्य शादी समारोह में शामिल होने बाहर गए हुए थे।

चोरों ने घर का ताला तोड़कर अंदर घुसकर करीब 8 तोला सोना और डेढ़ किलो से अधिक चांदी चोरी कर ली, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 16 लाख रुपए बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 6/7 स्थित निगम कॉलोनी के साहू मोहल्ला निवासी रविकांत शर्मा के घर यह वारदात हुई। पीड़ित रविकांत शर्मा ने बताया कि वे अपने परिवार के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। जब वे वापस लौटे तो घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था, जिससे साफ हो गया कि चोर घर में घुसकर चोरी कर चुके हैं।

पीड़ित के मुताबिक घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात पूरी तरह गायब थे। उन्होंने बताया कि वे एक फाइनेंस कंपनी में कार्यरत हैं और घर में सुरक्षित रखे गहनों को चोर ले उड़े। घटना की सूचना तुरंत कोतवाली पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। इधर, स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर आक्रोश देखा जा रहा है। रहवासियों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं, लेकिन पुलिस गश्त और कार्रवाई प्रभावी नहीं दिख रही है। लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि पुरानी चोरी की घटनाओं का खुलासा अब तक नहीं हो पाया है, जिससे चोरों के हौसले बुलंद हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आसपास के संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

रणजीत टाइम्स

आबकारी इंदौर
अवैध मदिरा के विरुद्ध विशेष अभियान

आदित्य शर्मा

इंदौर। कलेक्टर महोदय जिला-इंदौर , श्रीमान शिवम वर्मा जी के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी जी के द्वारा दिये निर्देशानुसार आज दिनांक 02/05/2026 को कंट्रोल रूम प्रभारी श्री देवेश चतुर्वेदी जी और डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज कुमार अग्रवाल और उड़नदस्ता प्रभारी अधिकारी श्री कमलेश सोलंकी* के नेतृत्व में आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त भोई मोहल्ला त्रिअंबिका शर्मा की टीम के द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्यवाही की गई । आज की कार्यवाही में इंदौर-उज्जैन रोड स्थित ढाबो पे प्रभावी कार्यवाही करते हुए कुल *06 प्रकरण *कायम किये यूनिक ढाबा, भगवती ढाबा, मेट्रो ढाबा आदि पे आबकारी टीम द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 36 a, b के तहत प्रकरण पंजीबध्द किए गए ढाबो एवं मदिरा दुकानों के आस पास परोसी जा रही अवैध मदिरा के विरुद्ध ये विशेष अभियान आगे भी जारी रहेगा। आज की कार्यवाही में आबकारी आरक्षक प्रमोद सेठे ,निशा शिखावत , राजू जाँबेकर का सराहनीय योगदान रहा।

आबकारी इंदौर की कार्यवाही

आदित्य शर्मा

इंदौर कलेक्टर महोदय जिला-इंदौर , श्रीमान शिवम वर्मा जी के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी जी के द्वारा दिये निर्देशानुसार तथा कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी,डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल, उड़नदस्ता प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री कमलेश सोलंकी के नेतृत्व में दिनांक-2/05/2026 को आबकारी वृत्त मालवा मिल बी, छावनी, काछी मौहल्ला,देपालपुर की टीम ने नवलखा क्षेत्र के ढाबों पर कार्यवाही की |

आज की गई कार्यवाही में नवलखा बस

स्टेशन क्षेत्र मे ढाबों पर एकसाथ कार्यवाही की, जिसमें अवैध रूप से मदिरा पान कराने वालों पर आबकारी अधिनियम में 4 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए, इसके अतिरिक्त पालदा क्षेत्र मे अवैध रुप से मदिरा विक्रय करने वालो पर कार्यवाही की गई एवं 2 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए ।पंजीकृत प्रकरणों में कुल 18 बल्क लीटर देशी शराब, 500 एमएल विदेशी शराब 12 बल्क लीटर बियर मदिरा ज़ब्त की गई, ज़ब्त शराब की कुल कीमत लगभग 8000 /- रू है | इस प्रकार की कार्यवाहीयां आगे भी निरंतर जारी रहेंगी | आज की कार्यवाही आबकारी उपनिरीक्षक श्री सुनील कुमार मालवीय, श्री बी डी अहरवार द्वारा की गई एवं आबकारी मुख्य आरक्षक श्री बद्री सिंह जमरा ,आरक्षक श्री भगवान दास बिरला,श्री कुलदीप ,श्री विकास ,श्री योगेश का सराहनीय योगदान रहा ।

भीषण गर्मी में राहतः इंदौर में जल सेवा अभियान बना मानवता की मिसाल

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। शहर में पड़ रही तेज गर्मी के बीच बड़ा गणपति चौराहा क्षेत्र में आरंभ फाउंडेशन द्वारा एक सराहनीय पहल करते हुए निःशुल्क जल सेवा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से राहगीरों को ठंडा पानी उपलब्ध कराया जा रहा है, जो गर्मी से राहत देने के साथ मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण भी प्रस्तुत कर रहा है। इस सेवा कार्य की विशेषता यह है कि इसमें युवाओं, खासकर कॉलेज विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। युवा वर्ग बढ़-चढ़कर अपनी सेवा भावना के साथ इस अभियान से जुड़ रहा है और समाज में सकारात्मक संदेश दे रहा है। इस पुनीत कार्य में राष्ट्रीय सनातन सेना भारत का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा। संगठन के पदाधिकारियों ने मौके पर उपस्थित रहकर सेवा कार्य में सक्रिय योगदान दिया और अभियान को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाई। कार्यक्रम में राहुल शर्मा (प्रदेश उपाध्यक्ष), हर्षाली शर्मा (जिला अध्यक्ष), राहुल तोमर, श्रीकांत पचौरी, धर्मेंद्र चौहान, दिलीप राय, वीर सिंह तोमर, मनोज जी, अभिषेक शर्मा एवं रणविजय सिंह तोमर सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस पूरे अभियान का सफल संचालन आरंभ फाउंडेशन की टीम द्वारा किया गया, जिसमें सार्थक जी, अश्विनी जी एवं उनकी टीम का विशेष योगदान रहा। प्रायोजकः राष्ट्रीय सनातन सेना भारत स्थानः बड़ा गणपति, इंदौर यह पहल न केवल लोगों

को गर्मी से राहत दे रही है, बल्कि समाज में सेवा और सहयोग की भावना को भी मजबूत कर रही है।

जंगल से भटका चीतल पहुचा शहर कुत्तों के हमले में हुआ घायल

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल। शहडोल भीषण गर्मी और तपिश के चलते जंगल के बेजुबान वन्य जीवों को भी शहर की चौखट तक पहुंचा दिया है। शहडोल में पानी की तलाश में भटकता एक चीतल रिहायशी इलाके में आ पहुंचा। जहां उस पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया, हमले में चीतल अचेत पड़ गया। जिसके बाद कुछ स्थानीय लोगों ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए कुत्तों के हमले से बचाया ही नहीं उसे पानी पिलाया और इलाज भी मुहैया कराया। मामला शहडोल के कल्याणपुर क्षेत्र का है। जहां केन्द्रीय विद्यालय के पास पहुंचे प्यासे चीतल को कुत्तों ने घेर लिया और हमला कर दिया। स्थानीय लोगों ने जब यह वाक्या देखा तो उन्होंने हिम्मत दिखाते हुए मौके से कुत्तों को भगाया और वन विभाग की टीम को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। वन विभाग की टीम ने चीतल का प्राथमिक उपचार किया और कुछ देर निगरानी में रखने के बाद उसे जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया। जानकारों की मानें तो गर्मी के मौसम में जल स्त्रोत सूखन से वन्य प्राणी भटक कर शहर आ पहुंचते हैं, जिससे इस तरह की घटनाएं होती है। ऐसे में जरूरत है कि जंगलों में पानी की पर्याप्त व्यवस्था की जाए और वन्य जीवों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाए, जिससे इंसान और वन्य प्राणियों के बीच संतुलन बना रह सके।

कमिश्नर द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रो का हुआ निरीक्षण, अभिभावकों से हुई चर्चा

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल । कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने जनपद पंचायत सोहागपुर अंतर्गत पीएमजनमन योजना अंतर्गत बनाई गई आंगनबाड़ी केंद्र महरानटोला नवलपुर का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने आंगनबाड़ी केंद्रो में पोषण आहार वितरण, बच्चों की दर्ज संख्या सहित आंगनवाड़ी केंद्रों में दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली।

कमिश्नर ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी केंद्रों में आने वाले बच्चों को मेनू के अनुसार मध्यान्ह भोजन दे। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र में आए बच्चों के अभिभावकों से पोषण आहार की भी जानकारी ली। कमिश्नर ने कुपोषित बच्चों की माताओं को पोषण किट का वितरण भी किया। निरीक्षण के

दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री आनन्द अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रकृति की सहायता से सूक्ष्म व स्थूल शरीर का संतुलन ही सहजयोग ध्यान है

मनुष्य के शरीर की संरचना प्रकृति के पंच तत्वों से हुई है। प्रकृति की सहायता से मनुष्य अपने भीतर सन्तुलन स्थापित कर सकता है। हमारे अंदर के सात चक्र प्रकृति के भिन्न-भिन्न तत्वों से ही बने हैं और इन्हीं की सहायता से हम सूक्ष्म तंत्र को शुद्ध कर सकते हैं। उदाहरण के लिए हमारे द्वितीय चक्र स्वाधिष्ठान की संरचना में अग्नि तत्व सहाय है। इसी चक्र से शुरु होती है दायीं ओर की नाड़ी जिसे पिंगला नाड़ी कहा गया है। पिंगला नाड़ी पर श्री हनुमान जी एवं श्री महासरस्वती की शक्ति विराजित है।

यह कर्म की नाड़ी है, हमारी सारी सोचने की शक्ति एवं कर्म इसी नाड़ी द्वारा कार्यान्वित होते हैं। यदि व्यक्ति अतिशयता में जाकर इस तरफ ज़्यादा झुक जाता है, दिन-रात सोच-विचार, प्लानिंग, काम - काज में ही लिप्त रहता है, वह अति शुष्क हो जाता है, क्रोधी हो जाता है एवं परमात्मा से उतना ही दूर होता जाता है, वह अहंकार की चपेट में आ जाता है क्योंकि यही नाड़ी मस्तिष्क वाले भाग में जाकर अहंकार को

दर्शाती है, मैं (अहंकार) के झूठे संसार में स्वयं के सुन्दर व्यक्तित्व को खो देता - है, आत्मा के प्रकाश से दूर चला जाता है अर्थात सत्य और शाश्वत तथ्य से दूर चला जाता है। सत्य तो ये है की हम केवल शुद्ध आत्मा है और अहंकार, मद, मोह सब झूठ है।

इस नाड़ी पर सूर्य की भी उपस्थिति होती है, इस नाड़ी के प्रति संतुलन रखने से मनुष्य तेजस्वी हो कर निखर जाता है, जब वह मानव कर्म और इस संसार के भौतिक सुखों की दौड़ को खेल समझ लेता है तो वह संतुलित हो, साक्षीभाव में इसे एक लीला मात्र के रूप में देखता है तो वह दाईं ओर के सभी सुंदर गुणों से आशीर्वादित होता है और उसके कार्य परमात्मा की प्रेम शक्ति द्वारा स्वतः ही आयोजित होते है, उसे दिमाग दौड़ाने की आवश्यकता भी नहीं होती। परंतु यह केवल शब्दों का खेल नहीं बल्कि अनुभव है। श्री माताजी द्वारा संस्थापित सहजयोग की नींव ही अनुभव है। परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी सभी साधकों को संबोधित करते हुए बताती हैं कि हमें बिना अनुभव के कुछ भी मान लेना नहीं चाहिए और इसीलिए कुण्डलिनी जागरण की सहायता से हम, परमात्मा की प्रेम शक्ति को अपने हाथों पर एवं तालु भाग पर अनुभव करते हैं, आकाश तत्व की सहायता से हम अपने दायें भाग को संतुलित करते हैं। ध्यान में बैठने से पहले हम माँ प्रकृति की सहायता से अपने दाएं एवं बाएं तरफ को संतुलित करते है एवं मध्य में परमात्मा की शक्ति से जुड़ते है। सहजयोग ध्यान पूर्णतः निःशुल्क है। यदि आप भी इसे अनुभव करना चाहते चाहते है तो जानकारी हमारे टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

स्मार्ट मीटर के दौर में कटिया का राज जारी नहीं रुक रही बिजली की चोरी

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल। जिले में बिजली व्यवस्था को हाईटेक बनाने की कवायद के बीच एक कड़वी सच्चाई सामने आ रही है। स्मार्ट मीटर के दौर में भी कटिया कल्चर बेखौफ जारी है। हालात यह हैं कि ग्रामीण इलाकों में खुलेआम हुकिंग कर बिजली चोरी की जा रही है, जिससे विभाग को करोड़ों का नुकसान उठाना पड़ रहा है और पूरी सप्लाई व्यवस्था चरमरा रही है। जिले के खैरहा, भानपुर, सामातपुर, खन्नाध, बोडरी, ब्यौहारी, जयसिंहनगर, गोहपारू, बुढार और जैतपुर जैसे क्षेत्रों में मीटर बायपास कर सीधे लाइन से बिजली लेने का चलन तेजी से बढ़ा है। चिंताजनक बात यह है कि चोरी की बिजली से सिर्फ छोटे उपकरण ही नहीं, बल्कि एसी, कूलर और अन्य भारी लोड वाले संसाधन भी धड़ल्ले से चलाए जा रहे हैं।

इस अवैध खपत का सीधा असर ट्रांसफार्मरों पर पड़ रहा है। ओवरलोडिंग के कारण बार-बार फॉल्ट, ट्रिपिंग और लो वोल्टेज की समस्या आम हो गई है। इसका खामियाजा उन उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है, जो समय पर बिल चुका रहे हैं। छोटे व्यवसाय और दैनिक जीवन भी इस अव्यवस्था से प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह सब विभाग की जानकारी में होने के बावजूद कार्रवाई सीमित है। कई जगहों पर खुलेआम तारों में हुक डालकर बिजली ली जा रही है, लेकिन सख्ती नजर नहीं आती। इससे विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

हालांकि विभाग का दावा है कि समय-समय पर अभियान चलाकर कार्रवाई की जाती है और स्मार्ट मीटर से चोरी पर अंकुश लगेगा, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग दिखती है। स्मार्ट मीटर और आधुनिक तकनीक के दावों के बीच शहडोल में बिजली व्यवस्था की हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। यहां डिजिटल सिस्टम से ज्यादा असर कटिया कल्चर का नजर आ रहा है, जहां खुलेआम हो रही बिजली चोरी ने न सिर्फ विभाग की कमर तोड़ दी है, बल्कि ईमानदार उपभोक्ताओं की जेब और धैर्य दोनों पर बोझ बढ़ा दिया है।

समीक्षा बैठक में वरिष्ठजन हुए सम्मानित। संगठन विस्तार पर चर्चा

उपांशु सिंह भदौरिया को दी गई जिला सचिव की जिम्मेदारी जिलाध्यक्ष गौरव सिंह भदौरिया

श्री राजपूत करणी सेना की नगर इकाई की समीक्षा बैठक तथा सम्मान समारोह जिलाध्यक्ष गौरव सिंह भदौरिया के नेतृत्व में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया।

सम्मान समारोह में आए वरिष्ठजनों को जिलाध्यक्ष गौरव सिंह भदौरिया ने अंग वस्त्र तथा स्मृति चिन्ह भेंटकर किया। संगठन के प्रति लगन निष्ठा को देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष की संस्तुति पर जिलाध्यक्ष गौरव सिंह भदौरिया ने उपांशु सिंह भदौरिया को जिला सचिव की जिम्मेदारी देते हुए संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा ईमानदारी से कार्य करने की बात कहते हुए उन्हें मनोनयन पत्र सौंप उज्जवल भविष्य की कामना की। वही बड़ी संख्या में मौजूद पदाधिकारियों ने नवनियुक्त जिला सचिव उपांशु सिंह भदौरिया का माल्यार्पण कर गर्मजोशी से किया। इस मौके पर वरिष्ठजनों ने श्री राजपूत करणी सेना के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। पद ग्रहण करते हुए जिला सचिव उपांशु सिंह भदौरिया ने कहा कि उनका उद्देश्य सम्पूर्ण समाज का उत्थान करना है तथा जल्द ही संगठन के सिपाही क्षेत्र मुहल्ले वार्ड ब्लॉक तहसील स्तर पर सदस्यता अभियान चलाकर जोड़े जायेंगे। कार्यक्रम में करणी सेना के वरिष्ठ सदस्य पंकज सिंह राजावत ने सभी सदस्यों को समाज के प्रत्येक वर्ग के हित एवं गौ सेवा में निस्वार्थ भाव से कार्य करने का संकल्प दिलाया इस मौके पर मुख्य रूप से पंकज सिंह राजावत हिमांशु सिंह भदौरिया, अरुण सिंह, शैलजा सिंह चौहान,अरविंद सिंह सहित काफी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

जनसुविधाओं को प्राथमिकता: महापौर व क्षेत्रीय पार्षद की मौजूदगी में 55 लाख के विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन

राममनोहर लोहिया एवं बाल गंगाधर तिलक वार्ड में शुरू होंगे निर्माण कार्य

मूलभूत सुविधाओं में सुधार के साथ नागरिकों को बेहतर आवागमन एवं जल निकासी व्यवस्था का मिलेगा लाभ

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी । शहर में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को लेकर जनप्रतिनिधियों द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राममनोहर लोहिया वार्ड के अहमद नगर क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही जनसमस्याओं के समाधान हेतु विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, क्षेत्रीय पार्षद एवं एमआईसी सदस्य उमेंद्र ओमी अहिरवार सहित जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में 39 लाख 15 हज़ार रुपये की लागत से होने जा रहे विकास कार्य का भूमिपूजन स्थानीय वरिष्ठजनों के करकमलों से विधिवत संपन्न कराया गया। विकास कार्यों की श्रंखला में राममनोहर लोहिया

वार्ड स्थित अहमद नगर क्षेत्र में विभिन्न स्थानों में सीसी नाली निर्माण कार्य का शुभारंभ होगा।यह क्षेत्र लंबे समय से जल निकासी की समस्या से जूझ रहा था, जहां बरसात के दौरान जलभराव की स्थिति बन जाती थी।

प्रस्तावित नाली निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था सुदृढ़ एवं व्यवस्थित हो जाएगी, जिससे विशेषकर बरसात के दौरान होने वाले जलभराव, गंदे पानी के जमाव एवं उससे उत्पन्न होने वाली असुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा।इसके परिणामस्वरूप स्थानीय नागरिकों को लंबे समय से चली आ रही समस्याओं से बड़ी राहत मिलेगी, साथ ही क्षेत्र में स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं आवागमन की स्थिति में भी सकारात्मक सुधार देखने को मिलेगा स्थानीय नागरिकों ने महापौर एवं स्थानीय पार्षद ओमेंद्र अहिरवार एवं समस्त जनप्रतिनिधियों का का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया ।

क्षेत्रीय पार्षद श्री अहिरवार ने कहा कि इन कार्यों से क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं का समाधान होगा और वार्ड के विकास को एक नई दिशा मिलेगी। ट्रांसपोर्ट नगर में एप्रोच रोड निर्माण से क्षेत्र को मिलेगा नया आधार बाल गंगाधर तिलक वार्ड अंतर्गत ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में एप्रोच रोड के डामरीकरण कार्य का भी शुभारंभ होगा। लगभग 15 लाख 91 हज़ार रुपए की लागत से होने वाले इस निर्माण कार्य से क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा और व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी साथ ही जर्जर सड़क के कारण हो रही परेशानी से नागरिकों को निजात मिलेगी।स्थानीय नागरिकों ने महापौर श्रीमती सूरी सहित क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती वंदना राजकिशोर यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विकास कार्यों के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल योजनाओं की घोषणा तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक विकास कार्य को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कर नागरिकों तक उसका वास्तविक लाभ पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि शहर के प्रत्येक वार्ड में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं और आगे भी जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दी जाती रहेगी।

इस मौके पर एमआईसी सदस्यगण सर्व श्री डॉ रमेश सोनी,सुभाष साहू,जयनारायण निषाद,सुरेन्द्र गुप्ता,मंडल अध्यक्ष संजू गर्ग,डॉ सुनील द्विवेदी साहित बड़ी संख्या में वार्ड के नागरिक उपस्थित रहे। क्षेत्रीय नागरिकों ने इन कार्यों के लिए महापौर श्रीमती सूरी, क्षेत्रीय पार्षद एवं नगर निगम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी तरह जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

खनिज संपदा का गढ़ 'कटनी' अब बनेगा प्रदेश की 'माइनिंग कैपिटल', बड़वारा में 50 हेक्टेयर डोलोमाइट क्षेत्र आरक्षित

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी । मध्य प्रदेश का कटनी जिला अब अपनी भौगोलिक सीमाओं को लांघकर वैश्विक मानचित्र पर 'माइनिंग हब' के रूप में उभर रहा है। 20 से अधिक प्रकार के बेशकीमती खनिजों की उपलब्धता और रिकॉर्ड राजस्व वृद्धि के साथ कटनी अब प्रदेश की 'खनिज राजधानी' बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। जिला प्रशासन की सक्रियता से यहाँ न केवल औद्योगिक निवेश को गति मिल रही है, बल्कि रोजगार के नए द्वार भी खुल रहे हैं।

औद्योगिक विस्तार: बड़वारा में बड़े निवेश की तैयारी

हाल ही में राज्य शासन ने जिले की बड़वारा तहसील के बड़ेरा एवं बचरबाड़ा ग्राम में एक बड़ा निर्णय लिया है। यहाँ 50 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में तीन बड़े डोलोमाइट ब्लॉक्स को माइनिंग कार्पोरेशन के पक्ष में आरक्षित किया गया है। इस कदम से जिले में खनिज आधारित उद्योगों की स्थापना और भारी निवेश की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं। खनिजों का अनमोल खजाना: अब सोना और कोयला भी कटनी की धरा के गर्भ में चूना पत्थर, डोलोमाइट, बॉक्साइट, मार्बल और आयरन ओर जैसे खनिजों का भंडार तो पहले से ही था, लेकिन अब विभागीय अन्वेषणों में यहाँ सोना और कोयले के नवीन भंडार भी मिले हैं। यह खोज भविष्य में जिले की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

राजस्व में ऐतिहासिक उछाल

कलेक्टर आशीष तिवारी के कुशल मार्गदर्शन और बेहतर प्रबंधन का परिणाम शासन के खजाने में स्पष्ट दिखाई दे रहा है। विगत वर्षों की औसत आय 100 करोड़ रुपये से बढ़कर अब 160 करोड़ रुपये वार्षिक के पार पहुँच गई है। प्रशासन का जोर अब केवल उत्खनन पर नहीं, बल्कि खनिज के शत-प्रतिशत स्थानीय उपयोग और नई औद्योगिक इकाइयां लगाने पर है।

तकनीक से अवैध उत्खनन पर प्रहार

प्रशासन ने तकनीक के जरिए पारदर्शिता और निगरानी को मजबूत किया है। बड़वारा रोड पर स्थापित आधुनिक ई-चेक गेट से वाहनों के दस्तावेजों की ऑनलाइन जांच की जा रही है। माइनिंग सर्विलांस सिस्टम के माध्यम से अवैध खनन पर प्रभावी लगाम लगाई गई है। लंबित आवेदनों का समय सीमा में निराकरण कर वैधानिक खनन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिला प्रशासन का कहना है कि "कटनी की प्रचुर खनिज संपदा और हमारी प्रशासनिक सक्रियता मिलकर जिले को भारत के औद्योगिक परिदृश्य में एक नई पहचान दिला रहे हैं। हमारा लक्ष्य पारदर्शिता के साथ राजस्व बढ़ाना और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित करना है।"

एक ही लाइसेंस पर दो मेडिकल स्टोर्स हो रहे संचालित लोगों ने कि शिकायत

प्रदीप सिंह बघेल

उमरिया। उमरिया जिले में इन दिनों अवैध रूप से संचालित मेडिकल स्टोर्स का मामला गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों के मुताबिक एक ही लाइसेंस पर एक ही नाम से दो अलग अलग जगह मेडिकल स्टोर संचालित किये जा रहे हैं, यहाँ बिना डॉक्टर के पर्चे मरीजों को दवाई दी जाती है उन्हें इंजेक्शन भी लगा दिए जाते हैं जो एक गंभीर बात है लेकिन स्वास्थ्य विभाग इस सबस एबेखाब्र बना हुआ है। करकेली ब्लॉक के बिलासपुर बस स्टैंड क्षेत्र में शिव मेडिकल स्टोर के नाम से एक ऐसा मेडिकल स्टोर संचालित हो रहा है, जो शासकीय भूमि का उपयोग कर नियमों को ताक पर रखकर चलाया जा रहा है। स्थानीय ग्रामवासियों का आरोप है कि इस मेडिकल स्टोर में न तो कोई पंजीकृत फार्मासिस्ट नियमित रूप से मौजूद रहता है और न ही दवाइयों के वितरण में किसी प्रकार के नियमों का पालन किया जाता है

ग्रामवासियों के अनुसार, यह मेडिकल स्टोर किराए के फार्मासिस्ट लाइसेंस पर संचालित किया जा रहा है, जो कि स्पष्ट रूप से नियमों का उल्लंघन है। इतना ही नहीं, यहां बिना किसी डॉक्टर की पर्ची के मरीजों को दवाइयां दी जा रही हैं। मेडिकल स्टोर के नाम पर इंजेक्शन, ड्रिप और बोतल चढ़ाकर ग्रामीणों का उपचार किया जा रहा है, जो कि स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ है।

मेडिकल स्टोर में मरीजों का इलाज

इसी तरह निगहरी क्षेत्र में "शिव" नाम से संचालित एक अन्य मेडिकल स्टोर भी किराए के लाइसेंस पर चलने की शिकायत सामने आई है। यहां भी नियमों की अनदेखी करते हुए मरीजों का इलाज किया जा रहा है, जबकि यह कार्य केवल योग्य डॉक्टरों द्वारा ही किया जाना चाहिए। ग्रामीणों का कहना है कि इन अवैध गतिविधियों के कारण उनकी जान जोखिम में पड़ रही है। बिना योग्य चिकित्सकीय सलाह के दवाइयों का सेवन और उपचार गंभीर दुष्परिणाम दे सकता है। इसके बावजूद संबंधित मेडिकल स्टोर्स खुलेआम नियमों की अनदेखी कर अपना कारोबार चला रहे हैं। इस मामले में जब मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ वी एस चंदेल से बात की गई, तो उनका कहना है कि शिकायत प्राप्त हुई है और जल्द ही जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, अब तक किसी ठोस कार्रवाई का अभाव ग्रामीणों में नाराजगी का कारण बना हुआ है। ग्रामवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि इन अवैध रूप से संचालित मेडिकल स्टोर्स पर तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी मेडिकल स्टोर्स नियमों के अनुसार ही संचालित हों और वहां योग्य फार्मासिस्ट की उपस्थिति अनिवार्य हो।

स्वच्छता, स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना का उत्सव बना "राहगीरी डे"

दुबे कॉलोनी मोड़ से सोमनाथ मंदिर तक उमड़ी जनभागीदारी, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश महापौर, निगमाध्यक्ष, निगमायुक्त सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने निभाई सहभागिता

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी। नगर निगम कटनी द्वारा आयोजित "राहगीरी डे" इस रविवार शहर में स्वच्छता, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता और जनभागीदारी का प्रेरणादायी उत्सव बनकर उभरा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड अंतर्गत दुबे कॉलोनी मोड़ से सोमनाथ मंदिर तक आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में सुबह का वातावरण उत्साह, ऊर्जा, फिटनेस गतिविधियों और स्वच्छता संदेशों से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, निगमाध्यक्ष श्री मनीष पाठक, निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार सहित जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, चिकित्सकों, शिक्षाविदों, युवाओं, महिलाओं, बच्चों एवं वरिष्ठ नागरिकों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। राहगीरी मार्ग पर लोगों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के साथ स्वच्छ एवं जागरूक शहर निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया।

योग, व्यायाम और पारंपरिक खेलों से मिला स्वास्थ्य का संदेश

कार्यक्रम की शुरुआत योग एवं सामूहिक व्यायाम गतिविधियों से हुई, जहां नागरिकों ने नियमित दिनचर्या और फिट जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। कटनी एक्सरसाइज ग्रुप द्वारा विभिन्न स्वास्थ्यवर्धक व्यायाम कराए गए। इसके साथ ही सांप-सीढ़ी, रस्साकशी, म्यूजिकल चेयर, चम्मच-नींबू दौड़, स्केटिंग, शतरंज, कैरम, पेंटिंग प्रतियोगिता एवं अन्य पारंपरिक खेलों में बच्चों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्थानीय कलाकारों एवं संगीत विद्यालय के बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने आयोजन को जीवंत बना दिया। जुंबा, हॉर्स राइडिंग और कार्टून कैरेक्टर गतिविधियां बच्चों के आकर्षण का केंद्र रहीं।

स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का दिया गया संदेश

राहगीरी डे के दौरान नुक्कड़ नाटक, रंगोली, जनसंदेश आधारित गतिविधियों एवं जागरूकता स्टॉलों के माध्यम से स्वच्छता, प्लास्टिक मुक्त जीवन, जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन का प्रभावी संदेश प्रसारित किया गया। नागरिकों को स्वच्छ आदतें अपनाने, सार्वजनिक स्थलों को साफ रखने, जल स्रोतों के संरक्षण और नियमित व्यायाम के प्रति प्रेरित किया गया।

"राहगीरी डे" बना सामाजिक एकता और जन जागरूकता का मंच

महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने कहा कि "राहगीरी डे" केवल मनोरंजन का आयोजन नहीं, बल्कि नागरिकों को स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार जीवनशैली से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। निगमाध्यक्ष श्री मनीष पाठक ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है तथा नागरिकों में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। वही निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने उपस्थित नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने तथा जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

विजेता प्रतिभागी हुए पुरस्कृत

कार्यक्रम के समापन पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को शेश पहनाकर तुलसी के पौधे एवं कपड़े के थैले भेंट किए गए। इसके माध्यम से नगर निगम ने स्वच्छता, हरित पर्यावरण और सिंगल यूज़ प्लास्टिक मुक्त जीवन का संदेश भी प्रभावी रूप से प्रसारित किया।

इनकी रही उल्लेखनीय सहभागिता

राहगीरी डे कार्यक्रम के दौरान पूर्व महापौर रूक्मणी बर्मन, मेयर इन काउंसिल सदस्य जयनारायण निषाद, सुभाष साहू, डॉ रमेश सोनी ,उमेंद्र अहिरवार, सुरेंद्र गुप्ता, पार्षद सुखदेव चौधरी, सीमा श्रीवास्तव, मौसुफ अहमद बिट्टू, शकुंतला सोनी, समाजसेवी करण सिंह चौहान, पूर्व पार्षद सीमा जैन सोगानी, नान गट्टानी, विजय डब्बू रजक, गौरी शंकर पटेल नगर निगम के ब्रांड एम्बेसडर सहित नगर के प्रसिद्ध चिकित्सकों, उद्योगपतियों, शिक्षाविदों, गणमान्यजन, सामाजिक संगठनों, विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संस्थाओं मीडिया कर्मियों सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों द्वारा उल्लेखनीय सहभागिता निभाते हुए स्वास्थ्य और जागरूक शहर के निर्माण का संदेश प्रसारित किया।

मझगवां फाटक टोल प्लाजा के आगे सड़क हादसा, अनियंत्रित कर पेड़ से टकराई ; 5 युवक घायल

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी। मझगवां फाटक टोल प्लाजा के आगे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जहाँ एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सीधे एक पेड़ से जा टकराई। इस हादसे में कार सवार पाँच युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की रफ्तार काफी तेज थी। मझगवां फाटक पार करने के कुछ देर बाद चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके चलते कार सड़क किनारे लगे पेड़ में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और युवक अंदर ही फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस की टीम मौके पर पहुँची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को कार से बाहर निकाला गया और प्राथमिक उपचार देते हुए उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, पाँचों युवकों की हालत गंभीर बनी हुई है।

स्वास्थ्य सेवाओं,योजनाओं एवं राष्ट्रीय कार्यक्रमों की प्रगति की जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर ने की गहन समीक्षा

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी। स्वास्थ्य सेवाओं, योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर जवाबदेही तय करते हुए सख्त कार्रवाई करें और बेहतर कार्य करने वाले लोक सेवकों को प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानित करें। उन्होंने हिदायत दी है कि मैदानी स्तर पर किसी भी प्रकार की लापरवाही और कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस आशय के निर्देश जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने स्वास्थ्य योजनाओं,सेवाओं और राष्ट्रीय कार्यक्रमों की गहन समीक्षा करते हुए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए। इस दौरान उन्होंने विभागीय योजनाओं, सेवाओं,कार्यक्रमों और गतिविधियों प्रगति की जानकारी ली। जिला पंचायत सीईओ ने 14 से 15 वर्ष की किशोरियों को बच्चेदानी के कैंसर से बचाने हेतु एचपीवी डोज वैक्सीनेशन कार्य शत प्रतिशत पूर्ण किए जाने पर बधाई देते सराहना की।

सुश्री कौर ने गर्भवती महिलाओं के प्रथम तिमाही पंजीयन में तेजी से प्रगति लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक के दौरान अवगत कराया गया कि 100 दिवसीय निःक्षय 2.0 के अंतर्गत 244 ग्राम चिन्हित किये गये हैं। जिस पर जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर ने स्वास्थ्य शिविर लगाकर 14 वर्ष की आयु के ऊपर के समस्त किशोर, वयस्कों की स्क्रीनिंग, एक्सरे, शुगर एवं बीपी की जांच करने के निर्देश दिये। बैठक के दौरान सीएमएचओ डॉ. राज सिंह ठाकुर, डीपीएम डॉ. उपेन्द्र कुशवाहा, डीसीएम सतीश जैन, डीसीएम एमएंडडी अरूण कमल, अनीता उसरहटे, सीपीएचसी सलाहकार श्री मति कविता ओझा, सभी बीएमओ, सहित अन्य मौजूद रहे।

विश्वकप के लिए भारतीय टीम घोषित हरलीन देओल को नहीं मिला मौका

मुंबई, एजेंसी। टी20 विश्व कप के लिए शनिवार को भारतीय महिला टीम घोषित हो गई। मुंबई स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्यालय में चयन समिति की बैठक के बाद टीम का एलान कर दिया गया। भारतीय टीम इस वैश्विक टूर्नामेंट में हरमनप्रीत कौर की अगुआई में खेलने उतरेगी। भारत ने पिछले साल वनडे विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था और अब टीम की नजरें अपने पहले टी20 विश्व कप खिताब पर होंगी। महिला टी20 विश्व कप 12 जून से पांच जुलाई तक इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा।

टीम में क्या खास?

टी20 विश्व कप के लिए चुने गए स्क्वॉड में अनकैप्ड नंदिनी शर्मा और विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया को शामिल किया गया है। प्रतिका रावल को टीम से बाहर कर दिया गया जबकि ऑलराउंडर अमनजोत कौर चोट के कारण टीम में जगह नहीं बना पाईं। नंदिनी मध्यम गति की गेंदबाज हैं जिन्होंने महिला प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के लिए 10 मैच खेलकर कुल 17 विकेट लिए। वह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थीं जिसने इस साल फरवरी में बैंकॉक में आयोजित महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था।

भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट मैच के लिए टीम घोषित

टी20 विश्व कप के अलावा इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए भी टीम का एलान किया गया है। इसमें प्रतिका रावल को मौका मिला है। यह मुकाबला 10 से 13 जुलाई के बीट लॉर्ड्स के मैदान पर खेला जाएगा।

टेस्ट मुकाबले के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, प्रतिका रावल, ऋचा घोष, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया, नंदिनी शर्मा, हरलीन देओल, रेणुका सिंह, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे, स्नेह राणा।

भारत-पाकिस्तान एक ही ग्रुप में

टी20 विश्व कप के लिए 12 टीमों को छह-छह के दो ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम ग्रुप-1 में शामिल है। ग्रुप-1 को 'ग्रुप ऑफ डेथ' माना जा रहा है, जहां मौजूदा दिग्गज टीमों के साथ भारत-पाकिस्तान की पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता भी देखने को मिलेगी। भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप चरण का मुकाबला 14 जून को एजबेस्टन में खेला जाएगा। इस हाई-वोल्टेज मैच पर दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें रहेंगी। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के साथ भारत के मुकाबले भी रोमांचक रहने वाले हैं।

हरमनप्रीत कौर पांचवीं बार करेंगी कप्तानी

भारतीय टीम की कमान एक बार फिर हरमनप्रीत कौर के हाथों में होगी, जो इस ग्लोबल टूर्नामेंट में पांचवीं बार टीम की अगुवाई करेंगी। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में वह भारत की शीर्ष स्कोरर रही थीं। उपकप्तानी की जिम्मेदारी स्मृति मंधाना को सौंपी गई है। भारतीय टीम ने अपने स्पिन विभाग को मजबूत किया है, जिसमें दीप्ति शर्मा, श्रेयंका पाटिल, श्री चरणी और राधा यादव शामिल हैं। ये सभी गेंदबाज हालिया दक्षिण अफ्रीका सीरीज में प्रभावी रहे थीं। भारत का हालिया टी20 प्रदर्शन ज्यादा प्रभावशाली नहीं रहा है। 2024 टी20 वर्ल्ड कप के बाद टीम ने 21 में से 13 मैच जीते हैं, लेकिन इस साल 8 में से सिर्फ 3 मुकाबले ही जीत पाई है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई सीरीज में भारत को 5 में से 4 मैचों में हार झेलनी पड़ी।

उसे बच्चा ही रहने दो

आरसीबी के स्टार ने वैभव को लेकर की खास अपील, अपने पुराने बयान पर दिखे कायम

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी ने अपने बल्ले से धमाल मचा रखा है। 15 साल का ये बल्लेबाज कई लोगों का चहेता है और उनमें से ही एक हैं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा। जितेश ने कुछ दिन पहले वैभव को लेकर कहा था कि वह अनप्रोफेशनल हैं। इस बात को लेकर काफी विवाद हुआ था। जितेश ने अब इस पर दोबारा बात की है और कहा है कि वैभव अभी भी बच्चा है और उसे ऐसा ही रहने दो।

जितेश ने आरसीबी के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के साथ एक पॉडकास्ट में वैभव को लेकर कहा था कि वह अनप्रोफेशनल हैं। अपने इस बयान को लेकर जितेश ने सफाई दी है।

ये है सच्चाई

जितेश ने एक पॉडकास्ट में बताया कि डिविलियर्स ने उनसे भारत के भविष्य के बारे में पूछा था और उन्होंने जवाब में वैभव का नाम लिया। उन्होंने कहा, 'वह मेरा बहुत अच्छा दोस्त है। हम दोनों काफी करीब हैं। मैं उसे कुछ भी कह सकता हूं। एबी ने मुझसे पूछा था कि आपको क्या लगता है कि कौन-सा खिलाड़ी भारत के लिए स्टार बनेगा? मैंने तुरंत वैभव का नाम लिया। जब उन्होंने पूछा कि क्यों? तो मैंने उसकी तकनीक, मानसिकता और मेहनत के बारे में बताया। मैंने कहा कि वैभव तीनों फॉर्मेट में धमाल मचा सकता है और वह मैदान पर काफी प्रोफेशनल दिखता है लेकिन मैदान के बाहर ऐसा नहीं है। '

वैभव सूर्यवंशी को आईसक्रीम पसंद है

अपने और वैभव की दोस्ती के बारे में बात करते हुए जितेश ने कहा, 'वह 15 साल का बच्चा है जिसे आईसक्रीम खाना पसंद है। वह मेरे कमरे में आता है और खाता है। मैं नहीं खाता वो खाता है। एक बच्चा अगर आईसक्रीम नहीं खाएगा तो क्या करेगा? वह मेरे घर आता है, मेरी पत्नी से बात करता है। यूट्यूब पर वीडियो देखता है। वह मेरे छोटे भाई की तरह है।' जितेश ने कहा कि लोग क्या कहते हैं उससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा, 'मुझे फर्क नहीं पड़ता कि लोग क्या कहते हैं। उनसे काफी सारे प्रोफेशनलिज्म की उम्मीदें हैं क्योंकि उसे इस लेवल पर प्रदर्शन करना है, लेकिन वह अभी भी 15 साल का है। एक बच्चे को बच्चा रहने दो।'

क्या एमआई का खेल खत्म !

सीएसके से मिली हार के बाद कैसे प्लेऑफ में पहुंच पाएगी हार्दिक की सेना

मुंबई, एजेंसी। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को चेन्नई सुपर किंग्स ने शनिवार को करारी मात दी, जिसके बाद टीम प्लेआफ की दौड़ से लगभग बाहर हो गई है।

चेन्नई ने ये मुकाबला आठ विकेट से अपने नाम किया। हार्दिक पांड्या की टीम मौजूदा सीजन में नौ मैचों में से सात हार चुकी है। उसे अभी पांच लीग मैच खेलने हैं। अगर वह सभी मुकाबले जीत भी लेती है तो उसके अधिकतम 14 अंक ही हो पाएंगे, जो प्लेऑफ में पहुंचने के लिए पर्याप्त नहीं होंगे। ऐसे में जानते हैं एमआई की टीम कैसे एमआई की टीम प्लेऑफ का टिकट हासिल कर सकती है।

कैसे अभी प्लेऑफ में पहुंच सकती है MI

मुंबई इंडियंस को अब प्लेऑफ में पहुंचने के लिए इन तीन बातों पर निर्भर रहना होगा।

1. बाकी बचे सभी मैचों में जीत- मुंबई को अपने आगामी सभी मुकाबले जीतने होंगे ताकि वे 16 अंकों के चमत्कारिक अंक तक पहुंच सकें। 14 अंकों के साथ क्वालीफाई करना एमआई के लिए इस साल मुश्किल लग रहा है क्योंकि टॉप-4 टीमें तेजी से अंक बटोर रही हैं।

2. नेट रन रेट में सुधार- चेन्नई के खिलाफ मिली हार ने रन रेट को काफी नीचे गिरा दिया है। मुंबई को न केवल जीतना होगा, बल्कि बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी ताकि बराबरी के अंकों पर वे पिछड़ न जाएं

थॉमस कप के सेमीफाइनल में भारत को मिली हार; फ्रांस ने 3-0 से दी शिकस्त

नई दिल्ली । थॉमस कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत और फ्रांस के बीच शनिवार को खेला गया हाई-वोल्टेज ड्रामे की तरह था। डेनमार्क के फोरम हॉर्सेंस एरिना में खेले गए मैच का माहौल भारतीय और फ्रांसीसी प्रशंसकों के जोश ने रोमांचक बना दिया था। अंतिम स्कोर 0-3 रहा और भारत टूर्नामेंट से बाहर हो गया, लेकिन यह आंकड़ा मैच की वास्तविक प्रतिस्पर्धा को पूरी तरह नहीं दर्शाता। मुकाबले के दौरान कई ऐसे क्षण आए जब भारतीय खिलाड़ियों ने फ्रांस को दबाव में डाला और वापसी की उम्मीद जगाई। फिर भी, निर्णायक मौकों पर फ्रांसीसी खिलाड़ियों ने संयम और सटीकता दिखाते हुए मैच अपने पक्ष में कर लिया।

फ्रांस पहली बार थॉमस कप के फाइनल में - के फाइनल में जगह बनाई। फ्रांस की सफलता के मुख्य सूत्रधार रहे टोमा जूनियर पोपोव और क्रिस्टो पोपोव भाइयों ने न केवल शानदार खेल दिखाया, बल्कि रणनीतिक रूप से भी भारतीय टीम को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने एकल और डबल्स दोनों में भाग लेते हुए टीम को संतुलन दिया, और मैच क्रम इस तरह तय किया गया कि उन्हें पर्याप्त आराम मिल सके। भारत के लिए सबसे बड़ा झटका था लक्ष्य सेन का चोट के कारण बाहर होना। उनकी अनुपस्थिति ने टीम संयोजन को प्रभावित किया। पहले सिंगल्स में आयुष शेट्टी को उतारा गया, लेकिन वे दबाव को संभाल नहीं पाए और क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ सीधे गेम में हार गए। दूसरे सिंगल्स में किदांबी श्रीकांत ने अनुभव का बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने एलेक्स लैनियर को कड़ी टक्कर दी और कई मौकों पर बढ़त भी बनाई। हालांकि, अहम क्षणों में सटीकता की कमी के कारण वे मैच गंवा बैठे।

इंदौर में होगी 18वें ब्रिक्स सम्मेलन की बैठक, विभिन्न देशों के कृषि विशेषज्ञ होंगे शामिल

इंदौर। 18वें ब्रिक्स सम्मेलन के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक इंदौर में आयोजित की जाएगी। इसकी तैयारियों को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान रविवार को इंदौर पहुंचे और अधिकारियों व किसानों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। बताया जा रहा है कि शिवराज सिंह चौहान की पहल पर ही इस बैठक का आयोजन इंदौर में तय किया गया है। स्वच्छता अभियान में देशभर में पहचान बना चुके इंदौर में पहले भी प्रवासी भारतीय सम्मेलन, जी-20 देशों की बैठक सहित कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन सफलतापूर्वक हो चुके हैं।

11 देशों के प्रतिनिधि होंगे शामिल – अगले माह होने वाली इस बैठक में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका और मिस्र के अलावा सऊदी अरब व इंडोनेशिया सहित कुल 11 देशों के कृषि मंत्री और प्रतिनिधि भाग लेंगे। बैठक में कृषि, डिजिटल एग्रीकल्चर, तकनीकी आदान-प्रदान सहित विभिन्न विषयों

पर गहन मंथन किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इस बैठक के माध्यम से इंदौर को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेहमाननवाजी का अवसर मिलेगा। यह सम्मेलन सहभागी देशों के कृषि क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा।

दो चरणों में आयोजित होगी बैठक – यह बैठक दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में 9 जून को कृषि विशेषज्ञों और अधिकारियों का इंदौर आगमन होगा। इसके बाद विभिन्न सत्रों में तकनीक, नई फसल किस्मों और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। दूसरे चरण में 12 और 13 जून को विभिन्न देशों के कृषि मंत्रियों की बैठक आयोजित होगी, जिसमें नीतिगत स्तर पर विचार-विमर्श किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष ब्रिक्स सम्मेलन का आयोजन ब्राजील में किया गया था।

एमआईसी ने पकड़ा पानी का काला खेल: निगम के हाइड्रेंट से चोरी, होटल-धंधों को बेचा जा रहा था जनता का पानी

इंदौर। एक तरफ शहर प्यास से जूझ रहा है, दूसरी तरफ नगर निगम के ही हाइड्रेंट से पानी चोरी कर उसे बाजार में बेचने का गंदा खेल चल रहा है। इंदौर में जल संकट के बीच नगर निगम के पानी की खुली लूट का बड़ा मामला सामने आया है। आजाद नगर स्थित निगम हाइड्रेंट पर एक अवैध पानी टैंकर रंगे हाथों पकड़ा गया, जो निगम का पानी भरकर होटल और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में बेचने जा रहा था। यह खुलासा तब हुआ जब महापौर परिषद (एमआईसी) सदस्य मनीष शर्मा (मामा) को सूचना मिली कि आजाद नगर हाइड्रेंट से एक टैंकर संदिग्ध तरीके से पानी भर रहा है। सूचना मिलते ही मनीष मामा मौके पर पहुंचे और टैंकर को मौके पर ही रुकवा लिया। जब चालक से पूछताछ की गई तो वह बुरी तरह घबरा गया और कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

सबसे बड़ा खुलासा तब हुआ जब टैंकर चालक के पास न तो नगर निगम की वैध अनुमति मिली, न कोई लॉगबुक, न सप्लाई रिकॉर्ड। जबकि निगम से अधिकृत टैंकरों के लिए ये सभी दस्तावेज अनिवार्य होते हैं। इससे साफ हो गया कि टैंकर निगम के हाइड्रेंट से पानी चोरी कर रहा था और उसे निजी धंधे में खपा रहा था। शहर के कई इलाकों में लोग बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं। कॉलोनियों में सप्लाई लड़खड़ा रही है, टैंकरों के लिए मारामारी मची है, लेकिन इसी बीच पानी माफिया निगम के पानी को ही कमाई का जरिया बना रहे हैं। जनता के हिस्से का पानी चुराकर होटल, ढाबों और अन्य व्यवसायिक ठिकानों पर बेचा जा रहा है। यह सिर्फ पानी चोरी नहीं, बल्कि जनता के हक पर डाका है। सवाल यह है कि जब शहर जल संकट से गुजर रहा है, तब निगम के हाइड्रेंट से खुलेआम पानी कैसे भरा जा रहा था? क्या बिना अंदरूनी मिलीभगत के यह संभव है?

निगम की व्यवस्था पर बड़ा सवाल – इस पूरे मामले ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हाइड्रेंट से पानी भरने की व्यवस्था, टैंकरों की निगरानी, लॉगबुक सिस्टम और सप्लाई रिकॉर्ड–सब कुछ सवालों के घेरे में है। यदि टैंकर अवैध था तो फिर वह निगम के हाइड्रेंट तक पहुंचा कैसे? किसकी शह पर पानी भरा जा रहा था? कौन कर्मचारी इस खेल में शामिल हैं? यह मामला सिर्फ एक अवैध टैंकर का नहीं, बल्कि निगम के भीतर बैठे पानी माफिया नेटवर्क की ओर इशारा कर रहा है।

महापौर और अफसरों को दी गई सूचना– एमआईसी सदस्य मनीष शर्मा ने पूरे मामले की जानकारी तुरंत महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगम के वरिष्ठ अधिकारियों को दे दी है। अब देखना यह है कि निगम सिर्फ टैंकर जब्त करने की औपचारिकता करता है या फिर इस पानी चोरी के पीछे बैठे पूरे गिरोह पर कार्रवाई होती है।जब इंदौर की जनता पानी के लिए लाइन में खड़ी है, तब आखिर किसकी मेहरबानी से निगम का पानी बाजार में बिक रहा है? यदि इस पूरे नेटवर्क का खुलासा नहीं हुआ, तो साफ है कि शहर में पानी की सबसे बड़ी चोरी पाइपलाइन से नहीं, सिस्टम के भीतर से हो रही है।

इंदौर नगर निगम 1530 करोड़ का कर्ज लेगा, सड़क और जल परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार

इंदौर। शहर के विकास कार्यों को गति देने के लिए इंदौर नगर निगम ने 1530 करोड़ रुपये का ऋण लेने का निर्णय लिया है। इसके लिए निगम प्रशासन ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों से प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। यह राशि शहर की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, विशेषकर सड़क निर्माण, जल आपूर्ति और अन्य विकास कार्यों पर खर्च की जाएगी। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार शहर के तेजी से बढ़ते विस्तार और बढ़ती आबादी को देखते हुए आधारभूत सुविधाओं का विस्तार जरूरी हो गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए निगम ने बड़े पैमाने पर वित्तीय संसाधन जुटाने की तैयारी की है। 1530 करोड़ रुपये के इस ऋण का उपयोग शहर की प्रमुख विकास योजनाओं को समय पर पूरा करने में किया जाएगा। निगम प्रशासन का कहना है कि ऋण लेने की प्रक्रिया पूरी तरह वित्तीय अनुशासन और सावधानी के साथ अपनाई जाएगी। इसके लिए इच्छुक बैंकों और वित्तीय संस्थानों से प्रस्ताव मांगे गए हैं, जिनमें ब्याज दर, पुनर्भुगतान अवधि और अन्य शर्तों का विस्तृत विवरण लिया जाएगा। निगम का प्रयास रहेगा कि सबसे कम ब्याज दर और आसान पुनर्भुगतान शर्तों वाला प्रस्ताव चुना जाए, ताकि भविष्य में निगम की वित्तीय स्थिति पर अतिरिक्त बोझ न पड़े। अधिकारियों के मुताबिक यह राशि मुख्य रूप से शहर की सड़कों के निर्माण और उन्नयन, जल आपूर्ति नेटवर्क के विस्तार, नई पाइपलाइन बिछाने, ड्रेनेज सुधार और अन्य शहरी विकास परियोजनाओं पर खर्च की जाएगी। इन योजनाओं के पूरा होने से शहरवासियों को बेहतर यातायात, पेयजल और आधारभूत सुविधाएं मिल सकेंगी। नगर निगम को उम्मीद है कि इस वित्तीय व्यवस्था से शहर के अधूरे और प्रस्तावित विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। प्रशासन का मानना है कि समय पर वित्तीय संसाधन उपलब्ध होने से परियोजनाओं में देरी कम होगी और इंदौर के समग्र शहरी विकास को मजबूती मिलेगी।

साइक्लोथॉन में संकल्प: जल संरक्षण में भी इंदौर बनेगा नंबर वन

'जल गंगा संवर्धन अभियान' के तहत आयोजन, बच्चों ने दिया 'जल ही जीवन है' का संदेश

इंदौर। स्वच्छता में देशभर में अपनी पहचान बना चुके इंदौर ने अब जल संरक्षण के क्षेत्र में भी नंबर वन बनने का संकल्प लिया है। इसी उद्देश्य के साथ रविवार को 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के तहत 'क्लीन इंदौर, सेव वाटर साइक्लोथॉन' का आयोजन किया गया। साइक्लोथॉन में बच्चों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर जल बचाने का संदेश दिया।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने साइक्लोथॉन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जल संरक्षण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। इंदौर का भू-जल स्तर लगातार घट रहा है और इसे सुधारने के लिए जनभागीदारी जरूरी है। महापौर ने कहा कि जिस तरह इंदौर ने स्वच्छता में देशभर में अपनी अलग पहचान बनाई है, उसी तरह अब जल संरक्षण और संवर्धन में भी इंदौर को देश का नंबर वन शहर बनाना है। इसके लिए हर नागरिक को जल बचाने की जिम्मेदारी अपने स्तर पर निभानी होगी। साइक्लोथॉन रैली शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहों से होकर निकली। इस दौरान प्रतिभागियों ने 'जल ही जीवन है', 'पानी बचाओ, भविष्य बचाओ' और 'सेव वाटर, सेव फ्यूचर' जैसे संदेशों के जरिए लोगों को जागरूक किया। बच्चों ने साइकिल चलाकर जल संरक्षण का संदेश दिया और आमजन से पानी की बर्बादी रोकने की अपील की।

रैली के दौरान जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। प्रतिभागियों ने संकल्प लिया कि वे अपने घर, मोहल्ले और समाज में पानी के संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाएंगे और वर्षा जल संचयन, जल पुनर्भरण तथा जल के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देंगे। इस आयोजन में पर्यावरण प्रेमियों, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की बड़ी भागीदारी रही। सभी ने एक स्वर में कहा कि 'जल ही जीवन है' और इसके संरक्षण के बिना भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता।

महापौर ने इंदौरवासियों से अपील की कि वे जल के महत्व को समझें और इसे व्यर्थ होने से बचाएं। इंदौर अब स्वच्छता के साथ-साथ जल संरक्षण में भी नई मिसाल गढ़ने की दिशा में आगे बढ़ चुका है।

लाड़ली लक्ष्मी वाटिका में पौधरोपण, बेटियों ने लिया हरियाली का संकल्प

बालिकाओं को पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा और सशक्तिकरण का दिया संदेश

इंदौर। नगर निगम द्वारा शहर को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से जनविकास सहयोग अभियान के तहत रविवार को शहीद पार्क 142 स्थित लाड़ली लक्ष्मी वाटिका में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बेटियों ने पौधे लगाकर हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में लाड़ली लक्ष्मी योजना से लाभान्वित बालिकाओं सहित अन्य बच्चों ने अपने हाथों से पौधरोपण किया। बालिकाओं की सहभागिता ने आयोजन को भावनात्मक और प्रेरणादायी बना दिया। उपस्थित लोगों ने बेटियों के इस प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें पर्यावरण संरक्षण की दिशा में नई पीढ़ी की सकारात्मक पहल बताया। मुख्य अतिथि के रूप में सांसद शंकर लालवानी सहित महापौर परिषद की सदस्य और नगर निगम अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। अतिथियों ने बालिकाओं को पौधरोपण के महत्व के बारे में बताया और पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। वार्ड क्रमांक 53 के पार्षद सुरेश कुरवंसी ने बताया कि लाड़ली लक्ष्मी वाटिका के विकास के लिए पिछले तीन वर्षों से लगातार प्रयास किए जा रहे थे, जिन्हें अब मूर्त रूप मिला है। उन्होंने कहा कि यह वाटिका क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता का केंद्र भी बनेगी। कार्यक्रम के दौरान लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत लाभान्वित पांच बेटियों का सम्मान भी किया गया। अधिकारियों ने बालिकाओं को पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने, नियमित शिक्षा ग्रहण करने और 18 वर्ष की आयु के बाद ही विवाह करने का संकल्प दिलाया। आयोजन में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, पुलिस विभाग के अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इसी क्रम में रावजी बाजार थाना क्षेत्र में भी पुलिस विभाग और क्षेत्रीय नागरिकों की सहभागिता से वार्ड 53 में पौधरोपण किया गया। यहां पौधारोपण के साथ वाटिका के संरक्षण और विकास की जिम्मेदारी भी स्थानीय नागरिकों ने ली। आयोजन ने पर्यावरण संरक्षण के साथ सामाजिक सहभागिता और जनजागरूकता का संदेश दिया।

8 मई से मैंगो जत्रा, इंदौर में मिलेगा ओरिजनल हापुस का स्वाद

इंदौर। मराठी सोशल ग्रुप ट्रस्ट द्वारा तीन दिवसीय 'हिप्पो कार्पोरेशन प्रेजेंट्स मैंगो जत्रा' का आयोजन 8 से 10 मई तक ग्रामीण हाट बाजार, ढक्कन वाला कुआं, साउथ तुकोगंज में किया जाएगा। आयोजन सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक चलेगा, जहां इंदौरी ओरिजनल जीआई टैग प्रमाणित हापुस आम का स्वाद चखने के साथ खरीदारी भी कर सकेंगे। ट्रस्ट के सुधीर दांडेकर और राजेश शाह ने बताया कि मैंगो जत्रा का यह 14वां संस्करण है। इस बार रत्नागिरी और देवगढ़ (कोंकण) के 24 से अधिक आम उत्पादक सीधे इंदौर पहुंचकर हापुस आम और अन्य उत्पाद ग्राहकों को उपलब्ध कराएंगे।